मानव आँख भाग 2

क्या आप जानते हैं कि आपका निकट बिंदु क्या है? आपका निकट बिंदु आपकी आँखों के सबसे निकट का वह बिंदु है जहाँ आप बिना आँखों पर ज़ोर डाले फ़ोकस कर सकते हैं। एक सामान्य आँख में, यह दूरी 25 सेमी होती है।.
क्या आपका निकट बिंदु आज भी वही है जो 10 साल बाद होगा? 20 साल बाद?

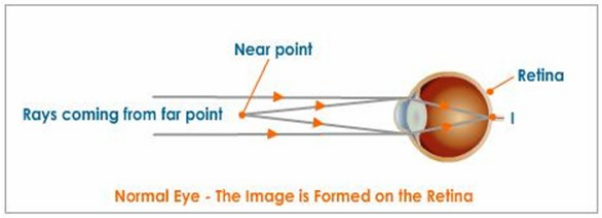

संभावना है कि इसका उत्तर ना है। हमारी आँखों के लेंस लचीले होते हैं जिससे हमारी आँखें दूर की वस्तुओं से पास की वस्तुओं पर अपना ध्यान केंद्रित कर पाती हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी आँखों के लेंस कम लचीले होते जाते हैं और हमारा निकट बिंदु दूर होता जाता है।.
क्या आप जानते हैं कि आपका निकट बिंदु कहाँ है? इसे ढूँढ़ना आसान है। आपको बस अपनी उंगली (और एक दोस्त और एक रूलर, अगर आप सटीक दूरी जानना चाहते हैं) की ज़रूरत है।
अपनी उंगली को अपनी नाक के सामने दोनों आँखें खुली रखते हुए रखें। अपनी उंगली को देखें और उसे अपने चेहरे से दूर ले जाएँ। जब आपकी उंगली बिना आँखों पर ज़ोर डाले फ़ोकस में आ जाए, तो यह आपका निकट बिंदु होगा। अपने दोस्त से रूलर से आपके माथे से उंगली तक की दूरी नापने को कहें।

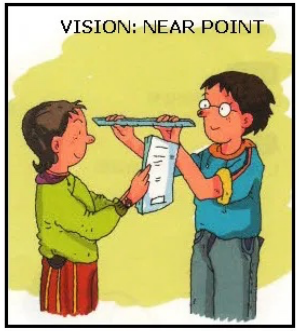

क्या आपने गौर किया है कि जब आप किसी उजाले वाले कमरे से किसी अँधेरे कमरे में जाते हैं, तो आपकी आँखों को अँधेरे के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लगता है? यह आपकी पुतलियाँ, या आपकी आँख का काला मध्य भाग, फैलाव कहलाने वाली क्रिया है। फैलाव वाली पुतलियाँ वे पुतलियाँ होती हैं जो ज़्यादा रोशनी आने देने के लिए बड़ी होती जाती हैं। आपके आस-पास के प्रकाश की मात्रा के अनुसार आपकी पुतलियाँ नियमित रूप से अपने आकार को बड़ी और छोटी के बीच समायोजित करती रहती हैं।.
आप अपनी आँखों को आईने और टॉर्च की मदद से फैलते हुए देख सकते हैं। एक ऐसा मंद कमरा चुनें जहाँ पर्याप्त रोशनी हो और आप अपनी आँखों का प्रतिबिंब आईने में साफ़ देख सकें। अपनी एक आँख पर, बगल से, टॉर्च की रोशनी डालें और अपनी पुतली को छोटा होते हुए देखें। टॉर्च बंद कर दें। आपकी पुतली को दूसरी आँख के आकार के बराबर फैलने में कितना समय लगता है??

ब्लू फील्ड एनटोपिक फेनोमेनन कहने का एक आकर्षक तरीका है कि जब आप चमकीले नीले आकाश को देखते हैं तो आपकी आँखों में चमकीले सफ़ेद रंग की रेखाएँ दिखाई देती हैं। ये रेखाएँ दरअसल आपकी आँखों में रेटिना के सामने घूमती हुई आपकी श्वेत रक्त कोशिकाएँ हैं।.

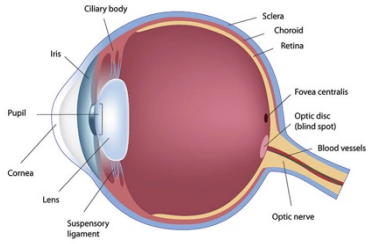

बाहर जाइए, आकाश को देखिए (परन्तु सूर्य को नहीं!!!) और इसे आज़माइए!